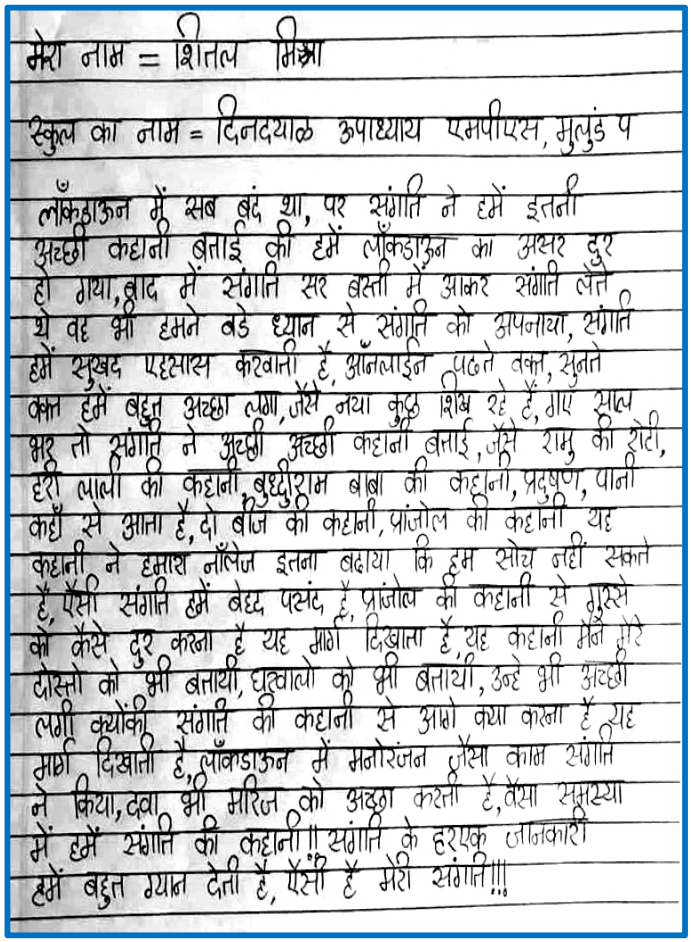
Annexure : 3

Offline *Sangati* sessions in communities- feedback by Students

My name: Shital Mishra
Din Dayal Upadhyay MPS, Mulund P
Name of the school : Din Dayal Upadhyay MPS, Mulund P

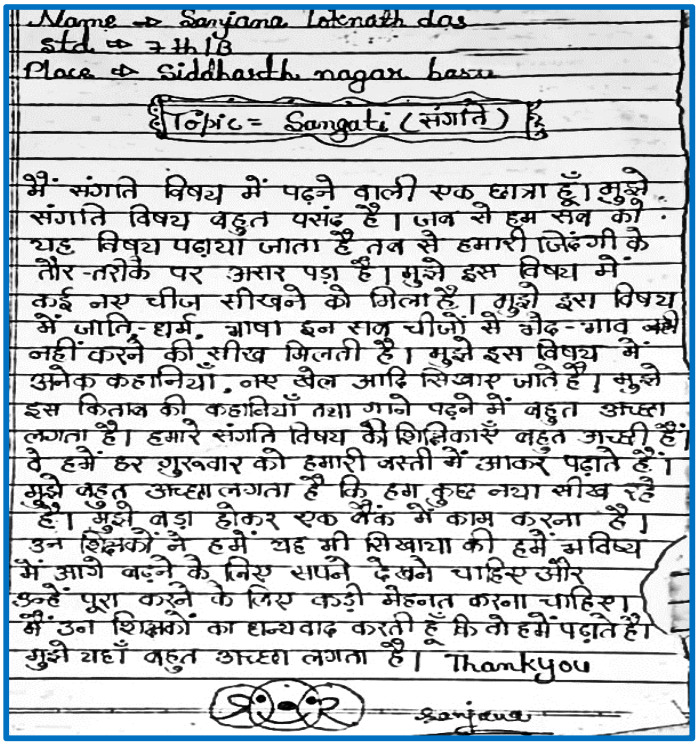

मेरा नाम = शीतल मिश्रा

स्कूल का नाम = दिनदयाल उपाध्याय एमपीएस, मुलुंड प

लॉकडाऊन में सब बंद था, पर संगति ने हमें इतनी अच्छी कहानी बताई की हमें लॉकडाऊन का असर दूर हो गया, बाद में संगति सर बस्ती में आकर संगति लेते थे वह भी हमने बडे ध्यान से संगति को अपनाया, संगति हमें सुखद एहसास करवाती है, ऑनलाईन पढते वक्त, सुनते वक्त हमें बहुत अच्छा लगा, जैसे नया कुछ सीख रहे हैं, गए साल भर तो संगति ने अच्छी अच्छी कहानी बताई, जैसे रामु की रोटी, दो लालची की कहानी, बुध्दीराम बाबा की कहानी, प्रदुषण, पानी कहाँ से आता है, दो बीज की कहानी, प्रांजोल की कहानी यह कहानी ने हमारा नॉलेज इतना बढाया कि हम सोच नहीं सकते हैं, ऐसी संगति हमें बेहद पसंद है, प्रांजोल की कहानी से गुस्से को कैसे दूर करना है यह मुझे सिखाता है, यह कहानी मैंने मेरे दोस्तो को भी बतायी, घरवालो को भी बतायी, उन्हे भी अच्छी लगी क्योंकी संगति की कहानी से आपो क्या करना है यह सिखाती है, लॉकडाऊन में मनोरंजन जैसा काम संगति ने किया, दवा भी मरिज को अच्छा करती है, वैसा संगति में हमें संगति की कहानी॥ संगति के हरएक जानकारी हमें बहुत ग्यान देती है, ऐसी है मेरी संगति!!!

Name of student : Sanjana
Name of Basti : Siddharth Nagar

I am a student who has attended ***Sangati*** sessions. I really like ***Sangati*** sessions. I have learnt a lot from ***Sangati*** that has impacted my daily life. I have learnt a lot of new things like not to discriminate based on caste, religion or language. I have learnt this through a lot of stories, games and songs that are a part of ***Sangati*** booklets. I love reading these. Our ***Sangati*** teachers are very good. They visit our basti every Thursday to take these sessions. I want to work in a bank once I grow up. ***Sangati*** has also taught us to dream and to work hard in order to fulfil these dreams. I really like ***Sangati*** and am thankful to my ***Sangati*** teachers.


Name → Sanjana Jeenath das
Std. → 7th B
Place → Siddharth nagar basu

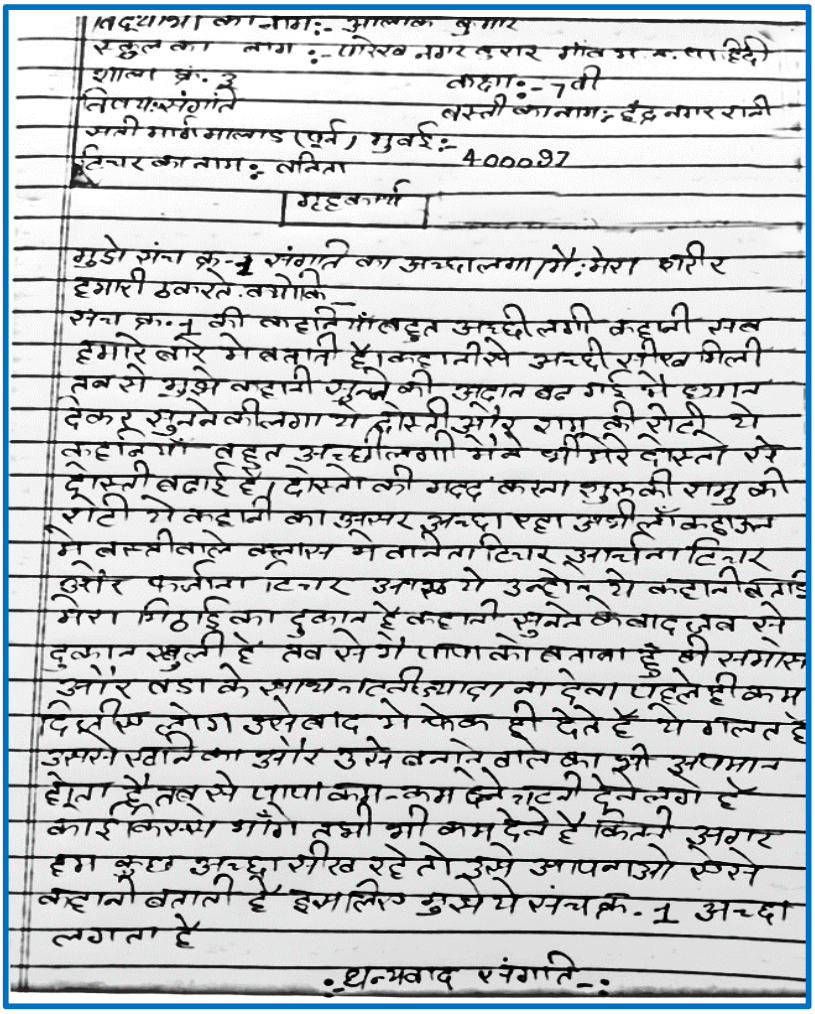
Topic = Sangati (संगति) है

मैं संगति विषय में पढ़ने वाली एक छात्रा हूँ। मुझे संगति विषय बहुत पसंद है। जब से हम सब को यह विषय पढ़ाया जाता है तब से हमारी जिंदगी के तौर-तरीके पर असर पड़ा है। मुझे इस विषय में कई नए चीज सीखने को मिला है। मुझे इस विषय में जाति-धर्म, भाषा इन सब चीजों से भेद-भाव जैसे नहीं करने की सीख मिलती है। मुझे इस विषय में अनेक कहानियाँ, नए खेल आदि सिखाए जाते हैं। मुझे इस किताब की कहानियाँ तथा गाने पढ़ने में बहुत अच्छा लगता है। हमारे संगति विषय की शिक्षिकाएँ बहुत अच्छी हैं। वे हमें हर शुरुवार को हमारी जस्ती में आकर पढ़ाते हैं। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि हम कुछ नया सीख रहे हैं। मुझे बड़ा होकर एक बैंक में काम करना है। उन शिक्षकों ने हमें यह भी सिखाया की हमें भविष्य में आगे बढ़ने के लिए सपने देखने चाहिए और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहिए। मैं उन शिक्षकों का धन्यवाद करती हूँ कि वो हमें पढ़ाते हैं। मुझे यहाँ बहुत अच्छा लगता है। Thankyou

Sanjana

Name of student: Alok Kumar
Name of school: Parekh Nagar Kurar, Village M.M Pahidi
Subject: *Sangati* Class: 7th ward P/N
Name of Basti : Indranagar Rani Sati Margh Malad, (East) Mumbai

Homework



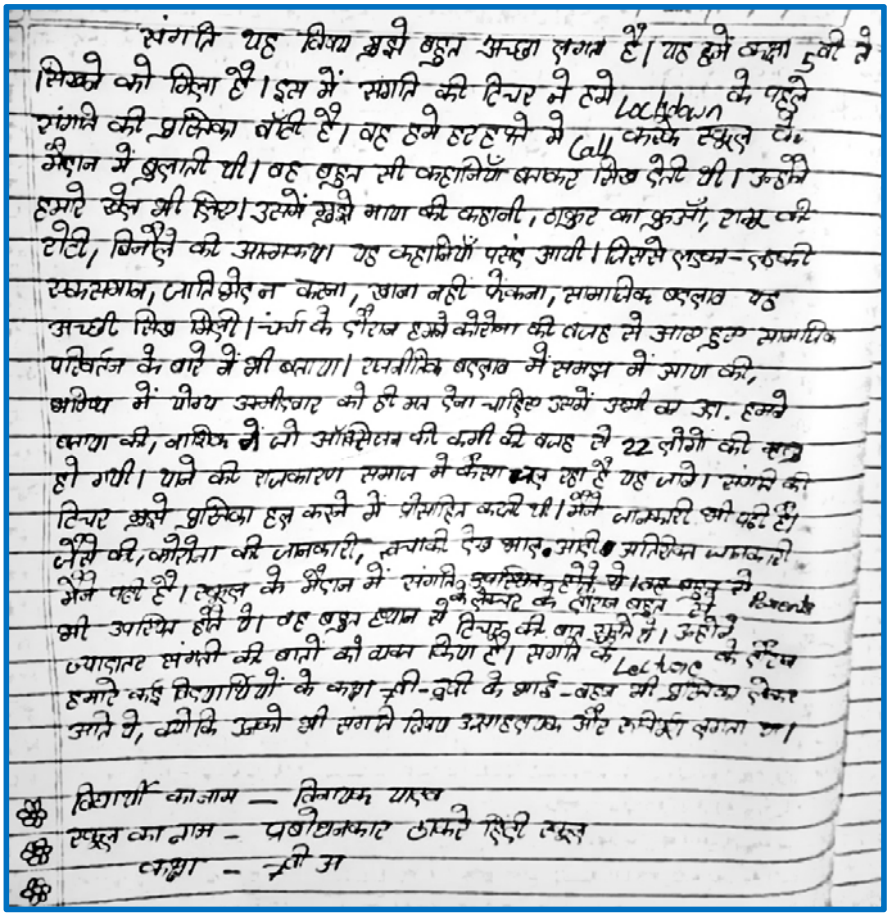
I found ***Sangati's*** Booklet 1 - Myself, My Body & Our Needs to be fascinating. I really liked the stories. It taught us great moral values and since then I have developed a habit of listening to stories.

I began to listen to the stories carefully and my favorite stories are "Friends" and Ramu's Roti". I have also developed a strong bond with my friends through these stories. I have managed to help my friends out. The story "Ramu Ki Roti" taught us many things which are applicable to daily life. During the lockdown, three teachers came to the Basti schools, and they narrated these stories to us.

My family owns a sweet shop. Since we opened it for business after listening to the stories, I told my father not to give extra chutney with samosa & vada because many times it is wasted by customers. This is wrong since it disgraces the food and also the person who cooks the food. Now my father is holding back on the quantity of the Chutney, so it doesn't go waste. In-fact when somebody asks for extra, he still holds back. These stories taught us that if we are getting any moral values then we should apply them into our real lives. That is the reason I liked Booklet 1.

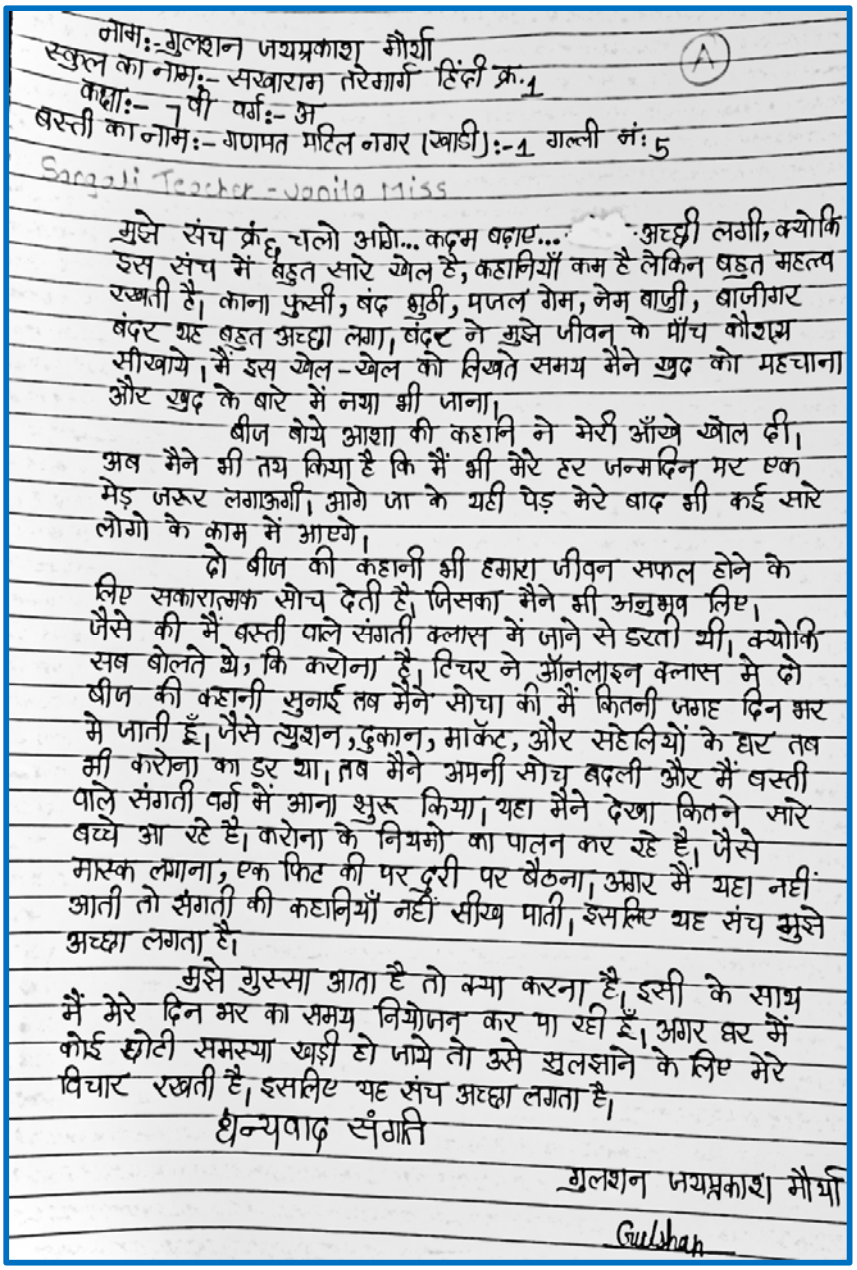
Thank you ***Sangati***!

Name of student : Vinayak
Name of school : Prabodhankar Thakre Hindi



I really like ***Sangati***. These sessions started in Standard V. We received the ***Sangati*** booklets before lockdown. She used to call us every week to the school ground. There she used to tell us a lot of stories. We also played a lot of games. I really liked "Maya's story, Thakur's Well, Ramu's Roti and "A utobiography of a cottonseed". I learnt many new things like gender equality, not to discriminate based on caste, not to waste things and how to bring about positive changes in society. We also discussed about changes that had occurred in society because of Corona. We also understood about political changes and that we should vote for a fit candidate in elections. We discussed the example where in Nasik, 22 people had died due to oxygen shortage. Many parents also came to attend ***Sangati*** sessions enthusiastically. Many students from 7th-9th standards also came to attend because they found these sessions very interesting and knowledgeable.

Name : Gulshan Jaiprakash Maurya
Name of school : Sakharam Tare Marg Hindi, no.1
Class : 7th A
Name of Basti : Ganpath Patel Nagar (Khadi) :- 1 , Gali no 5



नाम:- गुलशन जयप्रकाश मौर्या (A)
स्कूल का नाम:- सखाराम) तरेमार्ग हिंदी क्र.1
कक्षा:- 7 वी वर्ग:- अ
बस्ती का नाम:- गणपत पटेल नगर (खाडी):-1 गल्ली नं:5
Sangati Teacher - vanita miss

मुझे संच क्रं६ चलो आगे... कदम बढ़ाए... अच्छी लगी, क्योंकि इस संच में बहुत सारे खेल है, कहानियाँ कम है लेकिन बहुत महत्व रखती है। काना फुस्सी, बंद मुठी, मजल गेम, नेम बाजी, बाजीगर बंदर यह बहुत अच्छा लगा, बंदर ने मुझे जीवन के पाँच कौशल सीखाये। मैं इस खेल-खेल को लिखते समय मैंने खुद को महचाना और खुद के बारे में नया भी जाना।

बीज बोये आशा की कहानी ने मेरी आँखे खोल दी। अब मैंने भी तय किया है कि मैं भी मेरे हर जन्मदिन पर एक मेड़ जरूर लगाऊगी, आगे जा के यही पेड़ मेरे बाद भी कई सारे लोगो के काम में आएगे।

दो बीज की कहानी भी हमारा जीवन सफल होने के लिए सकारात्मक सोच देती है, जिसका मैंने भी अनुभव लिए। जैसे की मैं बस्ती वाले संगती क्लास में जाने से डरती थी, क्योंकि सब बोलते थे, कि करोना है। टिचर ने ऑनलाइन क्लास मे दो बीज की कहानी सुनाई तब मैंने सोचा की मैं कितनी जगह दिन भर मे जाती हूँ। जैसे ट्युशन, दुकान, मार्केट, और सहेलियों के घर तब भी करोना का डर था। तब मैंने अपनी सोच बदली और मैं बस्ती वाले संगती वर्ग में आना शुरू किया। यहा मैंने देखा कितने सारे बच्चे आ रहे है। करोना के नियमो का पालन कर रहे है। जैसे मास्क लगाना, एक फिट की दूरी पर बैठना। अगर मैं यहा नहीं आती तो संगती की कहानियाँ नहीं सीख पाती, इसलिए यह संच मुझे अच्छा लगता है।

मुझे गुस्सा आता है तो क्या करना है, इसी के साथ मैं मेरे दिन भर का समय नियोजन कर पा रही हूँ। अगर घर में कोई छोटी समस्या खड़ी हो जाये तो उसे सुलझाने के लिए मेरे विचार रखती है, इसलिए यह संच अच्छा लगता है।

धन्यवाद संगति

गुलशन जयप्रकाश मौर्या
Gulshan

I really like the booklet "Preparing for the Future" because this booklets consists of many games & exercises and stories are less. But the stories hold a lot of importance & weightage.

Let's move forward…. I liked the Booklet - there are a lot of games in this booklet, the stories are short but have a lot of importance. Chinese whispers, Clenched fists, puzzle Game, Bull's eye !, The Juggler - I liked it very much. The monkey taught me the skills of life. While playing this game, I understood myself and learned about myself. The seed story of Asha opened my eyes. Now I have also decided that I will also sow a seed on my birthday. Going forward, these trees will come in handy for many people even after me.

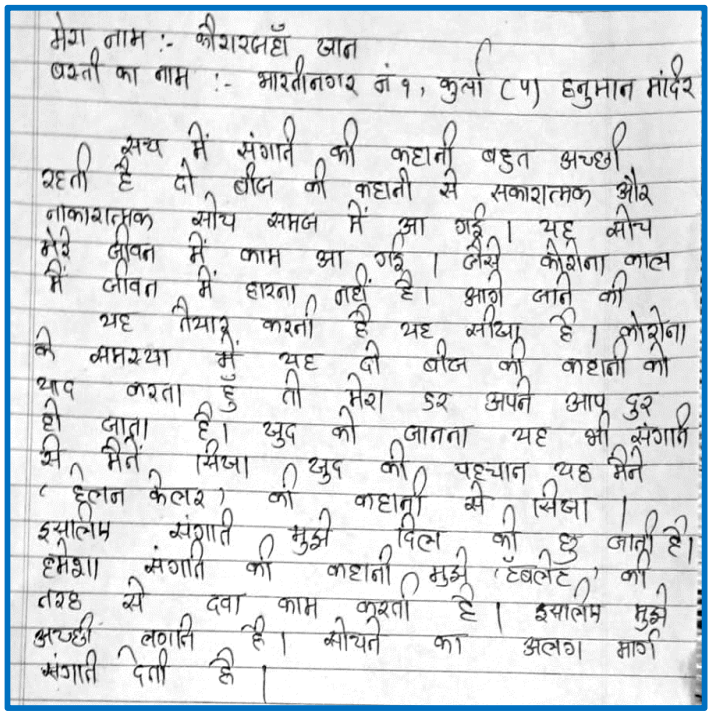
The story of two seeds also fills us with positive thoughts, which I also experienced.

First I was afraid of going to the basti ***Sangati*** class because of Corona. Then the teacher told the story of two seeds in the online class, after which I thought about how many places I visited throughout the day - such as tuition, shops, market and the houses of friends but we were still afraid of Corona. Then I changed my mind and I started coming to the basti class, where I saw how many children were coming and were duly following the rules of Corona, such as putting on a mask, sitting at a distance etc. I would not have been able to learn these stories if I hadn't gone, so I am happy I attended these classes.

I have learnt what to do if I get angry. Now, I am also able to plan my time all day. If any small problem arises in the house, then I think of solving it, so it feels good. Thank you to ***Sangati*** fellows.

Gulshan Jayaprakash Maurya

Name : Kaushar jahan khan
Bharti nagar no 9 Kurla, Kurla (4) Hanuman mandir
Name of basti : Bharti nagar no9 Kurla, Kurla (4) Hanuman mandir

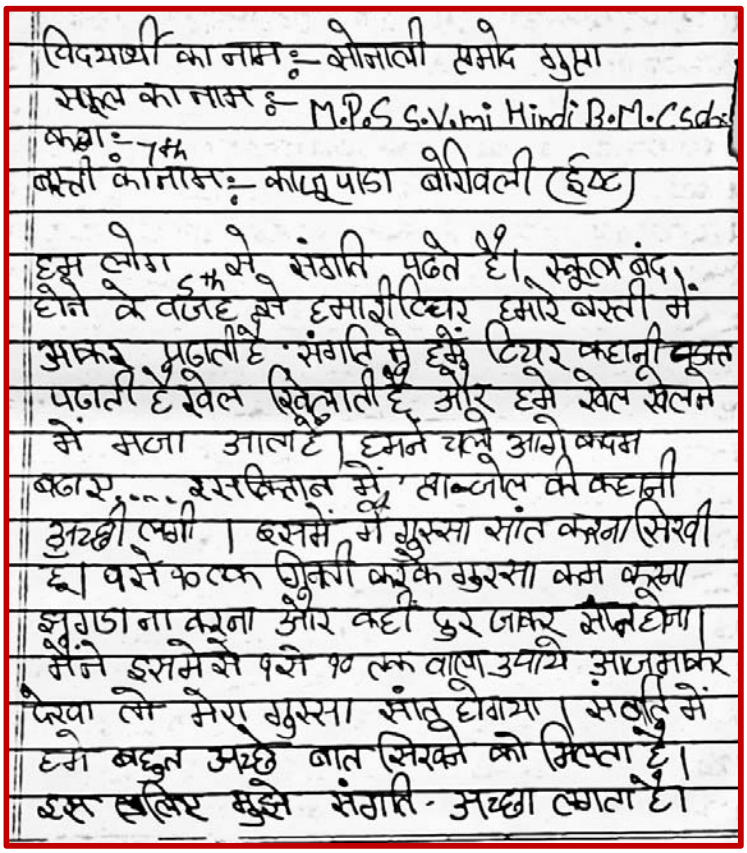

मेरा नाम :- कौशरजहाँ खान
बस्ती का नाम :- भारतीनगर नं १, कुर्ला (प) हनुमान मंदिर

सच में संगति की कहानी बहुत अच्छी रहती है दो बीज की कहानी से सकारात्मक और नाकारात्मक सोच समझ में आ गई। यह सोच मेरे जीवन में काम आ गई। वैसे कोरोना काल में जीवन में हारना नहीं है। आशा जाने की यह तैयार करती है यह सीखा है। कोरोना के समस्या में यह दो बीज की कहानी को याद करता हुं तो मेरा डर अपने आप दुर हो जाता है। खुद को जानना यह भी संगति से मैंने सिखा। खुद की पहचान यह मैंने (हेलन केलर) की कहानी से सिखा। इसलिए संगति मुझे दिल की छु जाती है। हमेशा संगति की कहानी मुझे 'हॅबलेट' की तरह से दवा काम करती है। इसलिए मुझे अच्छी लगती है। सोचने का अलग मार्ग संगति देती है।

Sangati has had a big impact in my life and it is very heart touching for me.

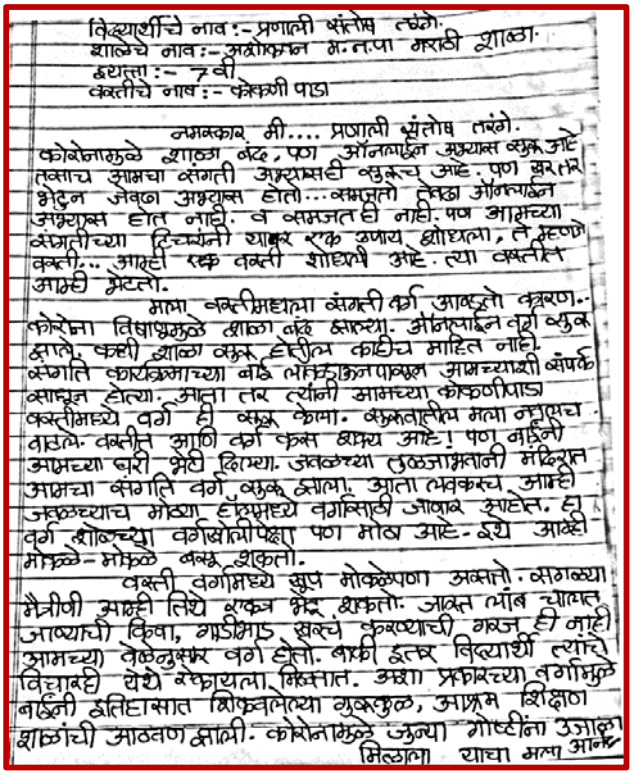
Stories of **Sangati** always work like medicine for me and guide me towards a different path which is very inspiring.

Name: Sonali Pramod Gupta
School: MPS SV Hindi Bmc school
Class : 7th
Basti: Kajupada Borivali East


विद्यार्थी का नाम :- सोनाली प्रमोद गुप्ता
स्कूल का नाम :- M.P.S S.V.mi Hindi B.M.C.Sch
कक्षा :- 7th
बस्ती का नाम :- काजूपाडा बोरिवली (ईस्ट)

हम लोग 5th से संगति पढते है। स्कूल बंद होने के वजह से हमारी टिचर हमारे बस्ती में आकर पढाती है। संगति से हमें टिचर कहानी चुक्त पढाती है खेल खिलाती है और हमे खेल खेलने में मजा आता है। हमने चलो आगे कक्षा बढाए... इस किताब में प्रांजोल की कहानी अच्छी लगी। इसमें मैं गुस्सा शांत करना सिखी हुं। पहले फटक गिनती करके गुस्सा कम करना झगडा ना करना और कहीं दुर जाकर सोचना। मैंने इसमें से पहले १० तक वाला उपाय आजमाकर देखा तो मेरा गुस्सा शांत होगया। संगति में हमे बहुत अच्छे बात सिखने को मिलता है। इस लिए मुझे संगति अच्छा लगता है।

Name : Pranali Santosh Tarange,
Class : 7th
School : Ashokvan BMC Marathi school.


विद्यार्थीचे नाव :- प्रणाली संतोष तरंगे.
शालेचे नाव :- अशोकवन म.न.पा मराठी शाळा.
इयत्ता :- 7 वी
वस्तीचे नाव :- कोकणी पाडा

नमस्कार मी.... प्रणाली संतोष तरंगे.
कोरोनामुळे शाळा बंद, पण ऑनलाईन अभ्यास सुरू आहे तसाच आमचा संगती अभ्यासही सुरूच आहे. पण सुरुवातीला ऑनलाईन अभ्यास होत नाही. व समजत ही नाही. पण आमच्या संगतीच्या टिचर्सनी यावर एक उपाय शोधला, ते म्हणजे वस्ती... आम्ही एक वस्ती शोधली आहे. त्या वस्तीत आम्ही भेटतो.

माझा वस्तीमध्ये संगती वर्ग आवडतो कारण.. कोरोना विषाणूमुळे शाळा बंद झाल्या. ऑनलाईन वर्ग सुरू झाले. पण शाळा सुरू होतील काहीच माहित नाही. संगति कार्यक्रमाच्या बाई भेटल्यापासून आमच्याशी संपर्क साधून होत्या. आता तर त्यांनी आमच्या कोकणीपाडा वस्तीमध्ये वर्ग ही सुरू केला. सुरुवातीला माझा नव्हता. वाटले वस्तीत आणि वर्ग कसा शक्य आहे! पण नंतर आमच्या घरी भेटी दिल्या. उत्तरच्या तुळजाभवानी मंदिरात आमचा संगति वर्ग सुरू झाला. आता त्याचसाठी आम्ही जवळच्याच मोठ्या हॉलमध्ये वर्गासाठी जाणार आहोत. हा वर्ग शाळेच्या वर्गासारखी अपेक्षा पण मोठा आहे. इथे आम्ही मोकळे-मोकळे बसू शकतो.

वस्ती वर्गामध्ये खूप मोकळेपणा असतो. सगळ्या मैत्रीणी आम्ही तिथे एकत्र भेटू शकतो. आवाज लाँब चालत जाण्याची किंवा, गाडीमाड सुरू करण्याची गरज ही नाही. आमच्या वेळेनुसार वर्ग होतो. बाकी इतर विद्यार्थी त्यांचे विचारही येथे वेगवेगळे मिसळतात. अशा प्रकारच्या वर्गामुळे नवीन इतिहासात शिकवलेल्या गुरुकुल, आश्रम शिक्षण शाळांची आठवण झाली. कोरोनामुळे जुन्या गोष्टींना उजाळा मिळाला याचा मला आनंद

वस्ती वर्गामध्ये खूप मोकळेपणा असतो. सगळ्या मैत्रीणी आम्ही तिथे एकत्र भेटू शकतो. आवाज लाँब चालत जाण्याची किंवा, गाडीमाड सुरू करण्याची गरज ही नाही. आमच्या वेळेनुसार वर्ग होतो. बाकी इतर विद्यार्थी त्यांचे विचारही येथे वेगवेगळे मिसळतात. अशा प्रकारच्या वर्गामुळे नवीन इतिहासात शिकवलेल्या गुरुकुल, आश्रम शिक्षण शाळांची आठवण झाली. कोरोनामुळे जुन्या गोष्टींना उजाळा मिळाला याचा मला आनंद

I really like this class in our area because schools are closed due to the Corona pandemic, and we have to study in online mode. We have no idea about when schools will reopen. ***Sangati*** teacher was in touch with us right from the beginning of 'lockdown' period and now she has started classes in our Konkanipada area. In the beginning I was rather puzzled, 'how can we have ***Sangati*** classes in the locality?' But she visited our houses, and located a place in nearby Tuljabhavani temple. Soon, we will shift to a big hall nearby. This class is bigger than our school classroom, we can sit here safely, maintaining enough distance.

In our local area classes, we feel freer. All friends, we meet here, we don't have to walk or spend on transport. The classes here are held according to time suitable to us. Other students also attend our classes and we get to hear from them about their opinions. This experience reminds me of the old types of schools that are mentioned in our History books, taking us back.

Name : Aisha Sheikh
Basti : Bharti Nagar no 9 kurla (W) Hanuman Mandir

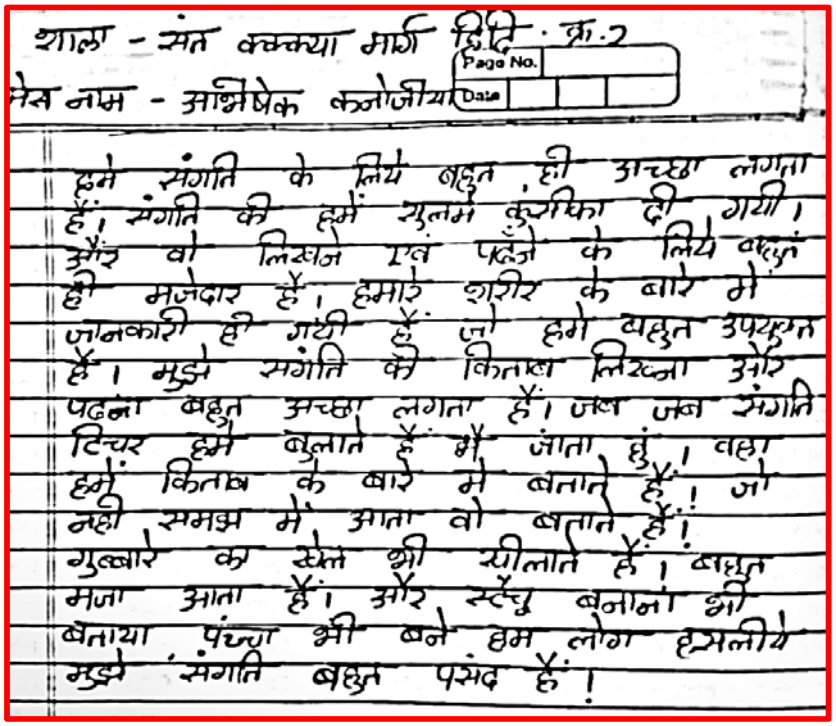

मेरा नाम : आयशा शेख
बस्ती का नाम - भारतीनगर नं १ कुर्ला (प) हनुमान मंदिर
जय त्यगति,
संगति बहुत अच्छी त्यगी है। हमारी कक्षा त्य हनुमान मंदिर मे रहती है। यहाँ पर दिवार की कहानी माया की कहानी, बुधुमान बाबा की कहानी, हेलन केलर की कहानी बहुत अच्छी त्यगी। कहानी से मुझे प्रेरणा मिली दर्द क्रिया पैदा हुआ। जैसे माया की कहानी में लड़कीयोंकी तकलीफ, दर्द आज भी त्यसमाज मे है, यह फरक त्यसमज मे आया। माया का दर्द हम जैसी लड़की को जानना पड़ता है। आज भी सारे काम लड़कीयोंके कहने पड़ते है। यह कब बदलेगा? लेकिन यह कहानी से मुझे प्रेरणा मिली मैं खुद को बदलूँगी। यह मै खुद को वचन देती हुं।

Page 6 of 15

Name: Abhishek Kanojia
Class: Sant Kakayya Marg
Hindi S. No.- 2

I love ***Sangati***. It teaches us about our body. The book about our body is the best. We also played a balloon game during our class which was very interactive.

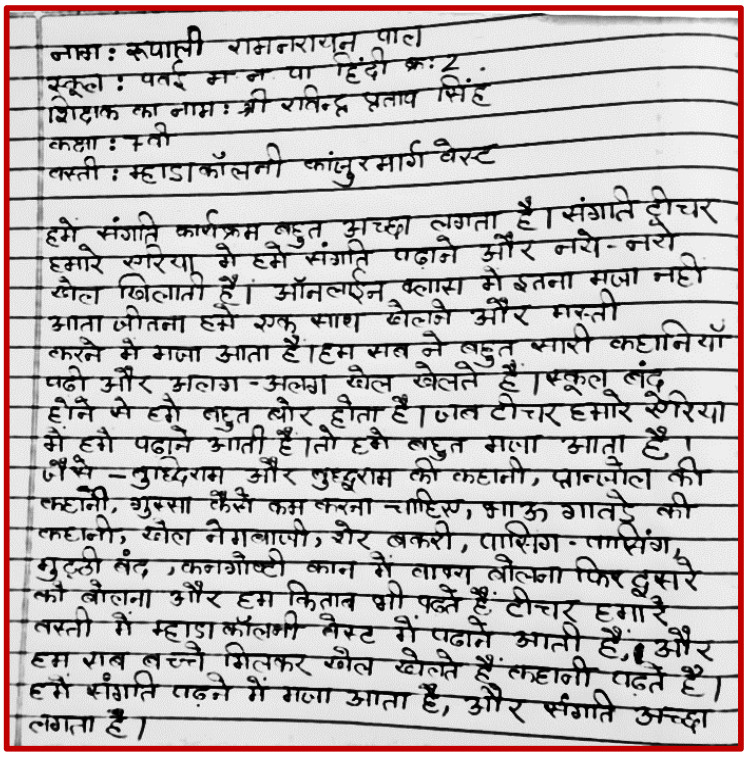
We enjoy a lot during ***Sangati*** sessions because of the many interactive games played in therein.


शाला - संत कक्कया मार्ग हिंदी क्र.2
मेरा नाम - अभिषेक कनोजीया
Page No.
Date

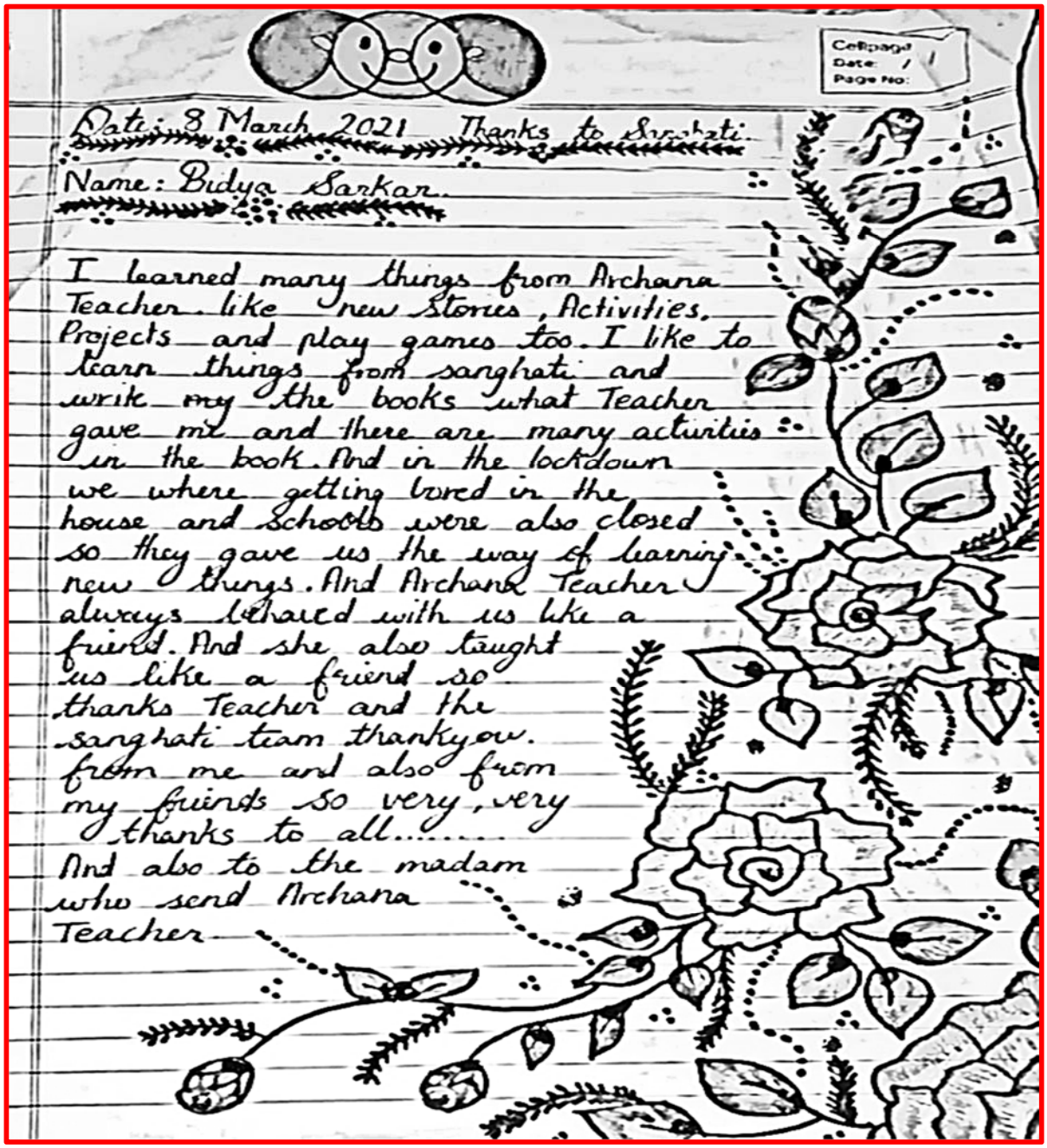
हमें संगति के लिये बहुत ही अच्छा लगता है। संगति की हमें शुरुआत कुरीका दी गयी। और वो लिखने एवं पढ़ने के लिये बहुत ही मजेदार है। हमारे शरीर के बारे में जानकारी दी गयी है जो हमें बहुत उपयुक्त है। मुझे संगति को कितना लिखना और पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। जब जब संगति टिचर हमें बुलाते हैं मैं जाता हुं। वहा हमें किताब के बारे में बताते हैं। जो नही समझ में आता वो बताते हैं। गुब्बारे का खेल भी खेलाते हैं। बहुत मजा आता है। और स्टेचु बनाना भी बताया पंच्चा भी बने हम लोग हसलीये मुझे संगति बहुत पसंद है।

Name : Rupali Ramnarayan Pal
School : Powai MNP Hindi 2
Teacher's Name : Mr. Ravindra Pratap Singh
Class: basti : MAHDA colony Kanjurmarg west

We like the ***Sangati*** program very much. We are taught stories and new games in our class. Winning is not so much fun in online class. We enjoy reading together and have fun. We all read a lot of stories and play different games. Otherwise it is very boring due to the closure of school. When the teacher comes to teach us in our area we feel very excited. We enjoy reading the stories, and also enjoy the company. We like all the stories such as - the story of Budhiram and Budhuram, the story of Pranjol, which taught us how to reduce anger, the story of Bhau Gawade etc. We read the book and also play games together.


नाम : रूपाली रामनारायण पाल
स्कूल : पवई म न पा हिंदी क्र. 2
शिक्षक का नाम : श्री रविन्द्र प्रताप सिंह
कक्षा : 4 थी
बस्ती : म्हाडा कॉलनी कांजुरमार्ग वेस्ट

हमें संगति कार्यक्रम बहुत अच्छा लगता है। संगति टीचर हमारे स्कूल में हमें संगति पढ़ाने और नये-नये खेल खिलाती हैं। ऑनलईन क्लास में इतना मजा नही आता जीतना हमें एक साथ खेलने और मस्ती करने में मजा आता है। हम सब ने बहुत सारी कहानियाँ पढ़ी और अलग-अलग खेल खेलते हैं। स्कूल बंद होने से हो बहुत बोर होता है। जब टीचर हमारे स्कूल में हमें पढ़ाने आती हैं। तो हमें बहुत मजा आता है। जैसे - बुध्देराम और बुद्धुराम की कहानी, प्रान्जोल की कहानी, गुस्सा कैसे कम करना चाहिए, भाऊ गावडे की कहानी, खेल ने गलाबो, और लकरी, पासिंग - पासिंग, मुट्ठी बंद, कनगोष्टी कान में लाग्न बोलना फिर दुसरे को बोलना और हम किताब भी पढ़ते हैं। टीचर हमारे बस्ती में म्हाडा कॉलनी वेस्ट में पढ़ाने आती हैं, और हम सब बच्चे मिलकर खेल खेलते हैं, कहानी पढ़ते हैं। हमें संगति पढ़ने में मजा आता है, और संगति अच्छा लगता है।

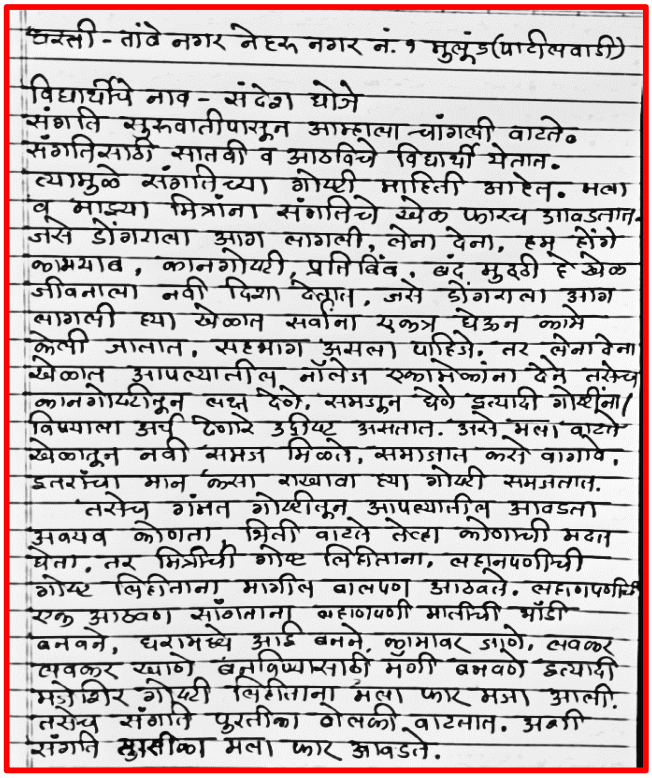


Date: 8 March 2021 Thanks to Sanghati

Name: Bidya Sarkar.

I learned many things from Archana Teacher like new Stories, Activities, Projects and play games too. I like to learn things from sanghati and write my the books what Teacher gave me and there are many activities in the book. And in the lockdown we where getting bored in the house and Schools were also closed so they gave us the way of learning new things. And Archana Teacher always behaved with us like a friend. And she also taught us like a friend so thanks Teacher and the sanghati team thankyou. from me and also from my friends so very, very thanks to all..... And also to the madam who send Archana Teacher

Name : Sandesh Dhotre
Locality : Tambe Nagar, Nehru Nagar No.1, (Patilwadi), Mulund.

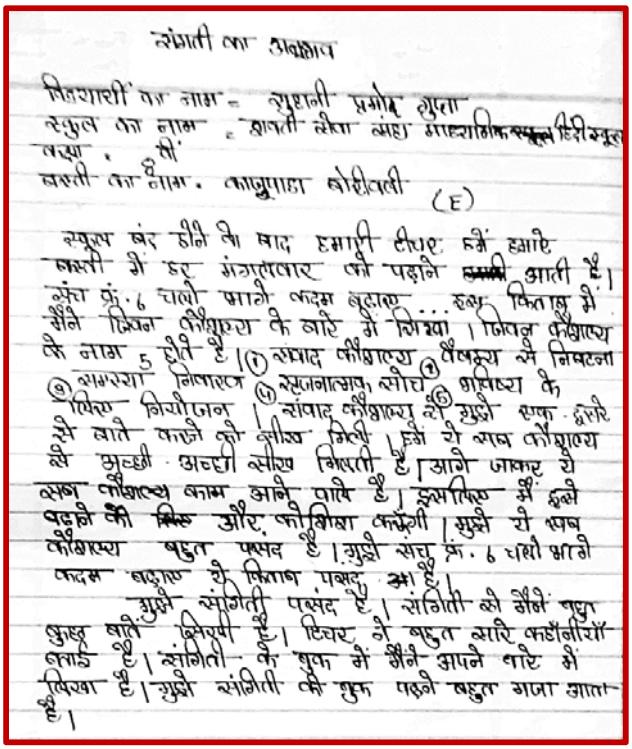

छत्ती - तांबे नगर नेहरू नगर नं. १ मुलुंड (पाटीलवाडी)

विद्यार्थीचे नाव - संदेश धोत्रे
संगति सुरुवातीपासून आम्हाला चांगली वाटते.
संगतिसाठी सातवी व आठविचे विद्यार्थी येतात.
त्यामुळे संगातिच्या गोष्टी माहिती आहेत. मला
व माझ्या मित्रांना संगतिचे खेळ फार्स आवडतात.
जसे डोंगराला आग लागली, लेना देना, हम् होंगे
कामयाब, कानगोष्टी, प्रतिबिंब, बंद मुट्ठी हे खेळ
जीवनाला नवी दिशा देतात, जसे डोंगराला आग
लागली ह्या खेळात सर्वांना एकत्र घेऊन काम
केली जातात, सहभाग असला पाहिजे. तर लेनादेना
खेळात आपल्यातील, नॉलेज स्कोअरेंना देने तसेच
कानगोष्टीतून लक्ष देणे, समजून घेणे इत्यादी गोष्टींना/
विषयाला अर्थ देणारे उद्दिष्ट असतात. असे मला वाटते
खेळातून नवी समज मिळते, समाजात करे वागावे,
इतरांचा मान कसा राखावा ह्या गोष्टी समजतात.
तसेच गंमत गोष्टीतून आपल्यातील आवडता
अवयव कोणता, गिती वाटते तेव्हा कोणाची मदत
घेता, तर मित्रांची गोष्ट लिहिताना, लहानपणीची
गोष्ट लिहिताना मागील बालपण आठवते. लहानपणीच्या
एक आठवण सांगताना लहानपणी मातीची भाँडी
बनवने, घरामध्ये आई बनने, झोपावर जाणे, लपवर
लपवर खाणे, बनविण्यासाठी मणी बनवणे इत्यादी
मोठ्ठीर गोष्टी लिहिताना मला फार मजा आली.
तसेच संगति पुस्तीका मला फार आवडते.

In ***Sangati*** workbook we had worksheets about understanding ourselves, our body we filled-in worksheets like – 'which part of body we like most', 'who I think of when I am afraid ... In the 'Friendship' story, I remembered my childhood when we made clay-pots, taking mother's role, mother going to work, while 'playing home', making tiny beads as food so one can pretend to gobble them up quickly… I had such fun recalling all this. I find the ***Sangati*** workbook so lively, I love it!

Name: Suhani Pramod Gupta
School: Shakti Seva Sangh Sec. Hindi Bmc school
Class : 8th
Basti: Kajupada Borivali East

After the schools closed, our teacher used to come every Tuesday to our basti for conducting ***Sangati*** sessions. We read booklet No. 6 – Let's move forward. We learned various life skills from this book. There are five types of life skills – (i) communication skills (ii) problem solving (iii) creative and analytical thinking (iv)dealing with difficult situations and (v) planning for future. My communication skills have now improved. We have learnt a lot from this booklet. These life skills will help us in our future. I will try and work on these skills. I really enjoyed this booklet and all ***Sangati*** sessions. I also wrote about myself in this booklet. ***Sangati*** has taught me a lot.

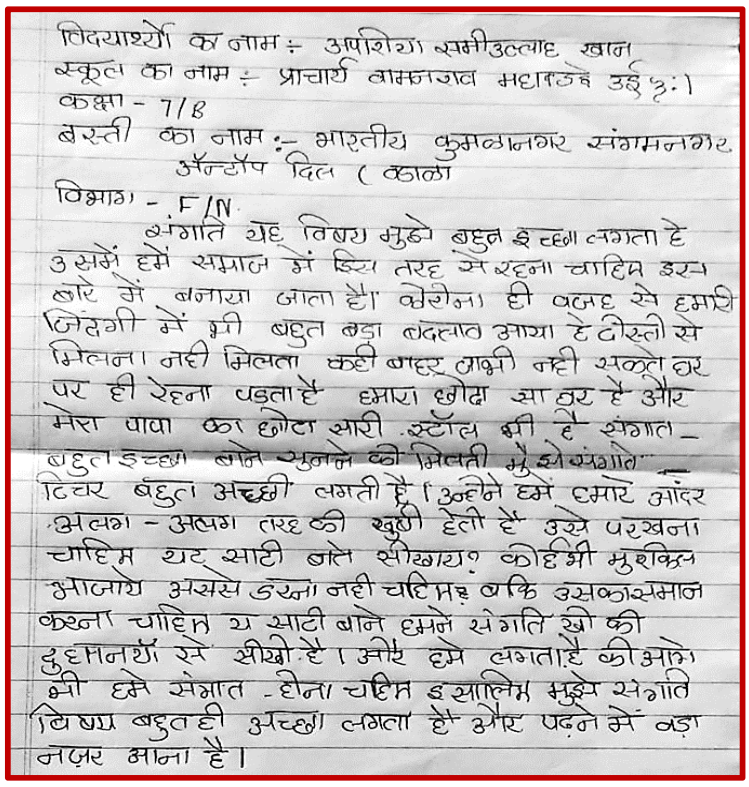

संगाती का अनुभव

लिखनेवाली का नाम - सुहानी प्रमोद गुप्ता
स्कूल का नाम - शक्ती सेवा संघ माध्यमिक हिंदी स्कूल
कक्षा - ८वी
बस्ती का नाम - काजुपाडा बोरीवली (E)

स्कूल बंद होने के बाद हमारी टीचर हमें हमारे बस्ती में हर मंगलवार को पढ़ाने आती है। हमने पुस्तक नं. ६ चलो आगे कदम बढ़ाए... इस किताब में हमने जिवन कौशल्य के बारे में सिखा। जिवन कौशल्य के नाम 5 होते है। (१) संवाद कौशल्य (२) वैचक्ष्य से निपटना (३) समस्या निवारण (४) सृजनात्मक सोच (५) भावनाओं के लिए नियोजन। संवाद कौशल्य से हमें एक दूसरे से बाते करने को मौका मिली। इसी से सब कौशल्य से अच्छी अच्छी सीख मिलती है। आगे जाकर ये सब कौशल्य काम आने वाले है। इसलिए मैं इसे पढ़ने को मिस और कौशिश करूंगी। मुझे ये सब कौशल्य बहुत पसंद है। मुझे सच्चू नं. ६ चलो आगे कदम बढ़ाए ये किताब पसंद आई।

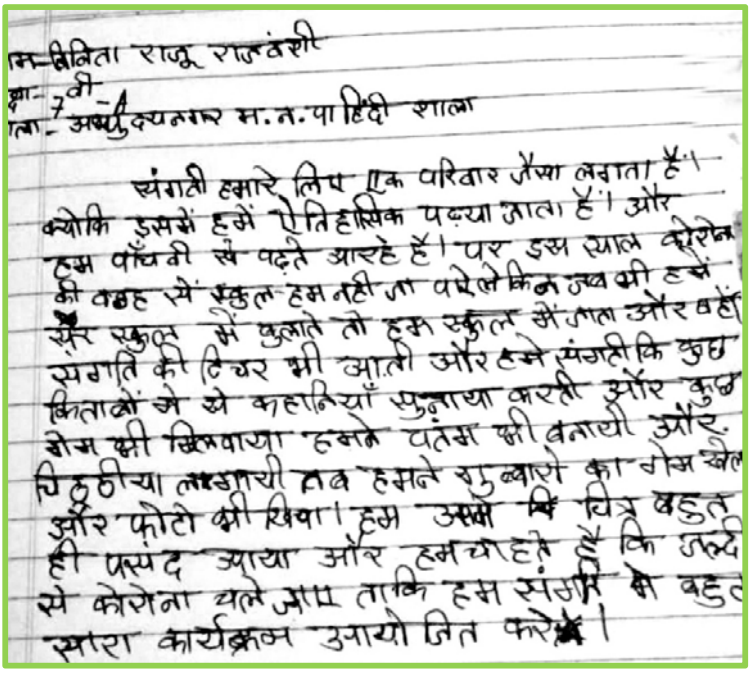
मुझे संगीती पसंद है। संगिती से मैंने बहुत सारी बाते सिखी है। टिचर ने बहुत सारे कहानीयाँ बताई है। संगिती के पुस्तक में मैंने अपने बारे में लिखा है। मुझे संगिती की पुस्तक पढ़ने बहुत मजा आता है।

Name: Apshiya Samiullah Khan
School: Pra. Vamanrao Mahadik Urdu No. 1 Bmc school
Class: 7th
Basti: Bhartiy Kumlanagar Sangamnagar Antop Hill


विद्यार्थी का नाम :- अपशिया समीउल्लाह खान
स्कूल का नाम :- प्राचार्य वामनराव महादिक उर्दू क्र:1
कक्षा - 7/B
बस्ती का नाम :- भारतीय कुमलानगर संगमनगर अँन्टॉप हिल (काला)
विभाग - F/N
संगति यह विषय मुझे बहुत इच्छा लगता है उसमें हमें समाज में किस तरह से रहना चाहिए इस बारे में बताया जाता है। कोरोना की वजह से हमारी जिंदगी में भी बहुत बड़ा बदलाव आया है दोस्तों से मिलना नहीं मिलता कहीं बाहर जा नहीं सकते घर पर ही रहना पड़ता है हमारा छोटा सा घर है और मेरा पापा का छोटा सारी स्टॉल भी है संगात - बहुत इच्छा लगने खुलने को मिलती मुझे संगीत टिचर बहुत अच्छी लगती है। उन्होंने हमें हमारे अंदर अलग - अलग तरह की खूबी होती है उसे परखना चाहिए यह सारी बातें सीखाया कोई भी मुश्किल आजाये उससे डरना नहीं चाहिए बल्कि उसका सामना करना चाहिए यह सारी बातें हमने संगति से की दोस्तानों से सीखी है। और हमें लगता है की अगले भी हमें संगात - होना चाहिए इसलिए मुझे संगीत विषय बहुत ही अच्छा लगता है और पढ़ने में बड़ा नजर आता है।

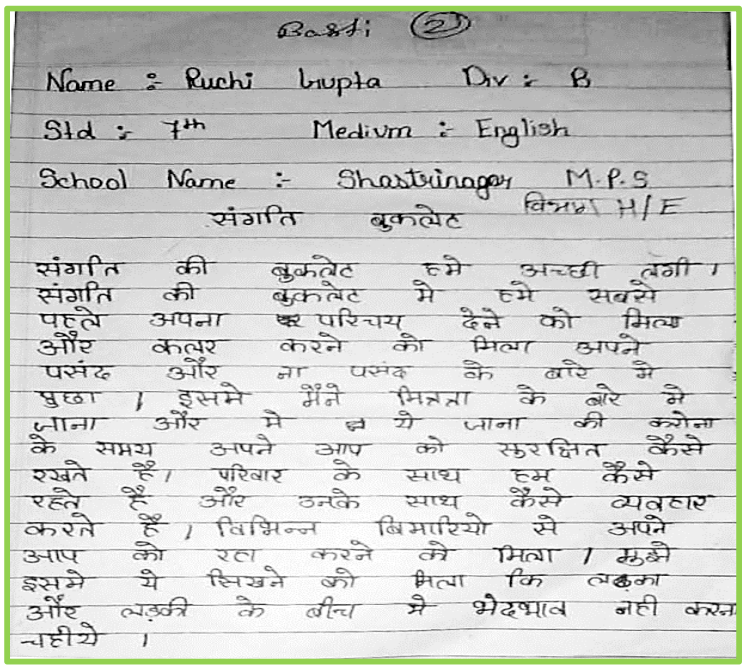
Name : Raju Rajvanshi
School : Abhudaynagar Hindi Bmc school
Class : 7th
Basti: Abhyudaynagar

We feel ***Sangati*** is like our family as we are having these sessions since Standard V. Due to Corona, we couldn't have these sessions for some time as schools are closed. But some sessions were still held in school where we played games, listened to stories and performed various activities. We enjoyed a lot. I really hope that Corona ends soon so that we can play all the games like balloon game and have regular ***Sangati*** sessions again.


नाम-विनिता राजू राजवंशी
कक्षा- 7 वी
शाला- अभ्युदयनगर म.न.पा हिंदी शाला
संगती हमारे लिए एक परिवार जैसा लगता है। क्योंकि इसमें हमें ऐतिहासिक पढ़या जाता है। और हम पाँचवी से पढ़ते आरहे हैं। पर इस साल कोरोना की वजह से स्कुल हम नहीं जा पारहे लेकिन जब भी हम और स्कुल में खुलते तो हम स्कुल में जाते और वहीं संगति की टिचर भी आती और हमें संगीत की कुछ किताबों से से कहानियाँ सुनाया करती और कुछ गेम भी खिलवाया हमने पतंग की बनायी और चिट्ठीया लिखायी तब हमने गुब्बारे का गेम खेल और फोटो भी खिचा। हम उसमें कि चित्र बहुत ही पसंद आया और हम चाहते हैं कि जल्दी से कोरोना चले जाए ताकि हम संगीत से बहुत सारा कार्यक्रम उपयोजित करें।

Name : Ruchi Gupta
School : Shastrinagar MPS
Class: 7th

I enjoyed reading ***Sangati*** booklet. I got to introduce myself and was asked about my likes and dislikes. I understood what friendship is and how we should stay with our families. I also learnt how to stay safe in Corona times, and how to prevent various diseases from effecting me. I also understood that we should not discriminate between males and females.



Basti (2)

Name : Ruchi Gupta Div : B

Std : 7th Medium : English

School Name : Shastrinagar M.P.S

संगति बुकलेट विषय H/E

संगति की बुकलेट हमे अच्छी लगी। संगति की बुकलेट मे हमे सबसे पहले अपना परिचय देने को मिला और कत्थक करने को मिला अपने पसंद और ना पसंद के बारे मे पुछा। इसमे मैंने मित्रता के बारे मे जाना और मे ये भी जाना की कोरोना के समय अपने आप को सुरक्षित कैसे रखते हैं। परिवार के साथ हम कैसे रहते हैं और उनके साथ कैसे व्यवहार करते हैं। विभिन्न बिमारियो से अपने आप को दूर करने को मिला। मुझे इसमे ये सिखने को मिला कि लड़का और लड़की के बीच मे भेदभाव नही करना चाहीये।

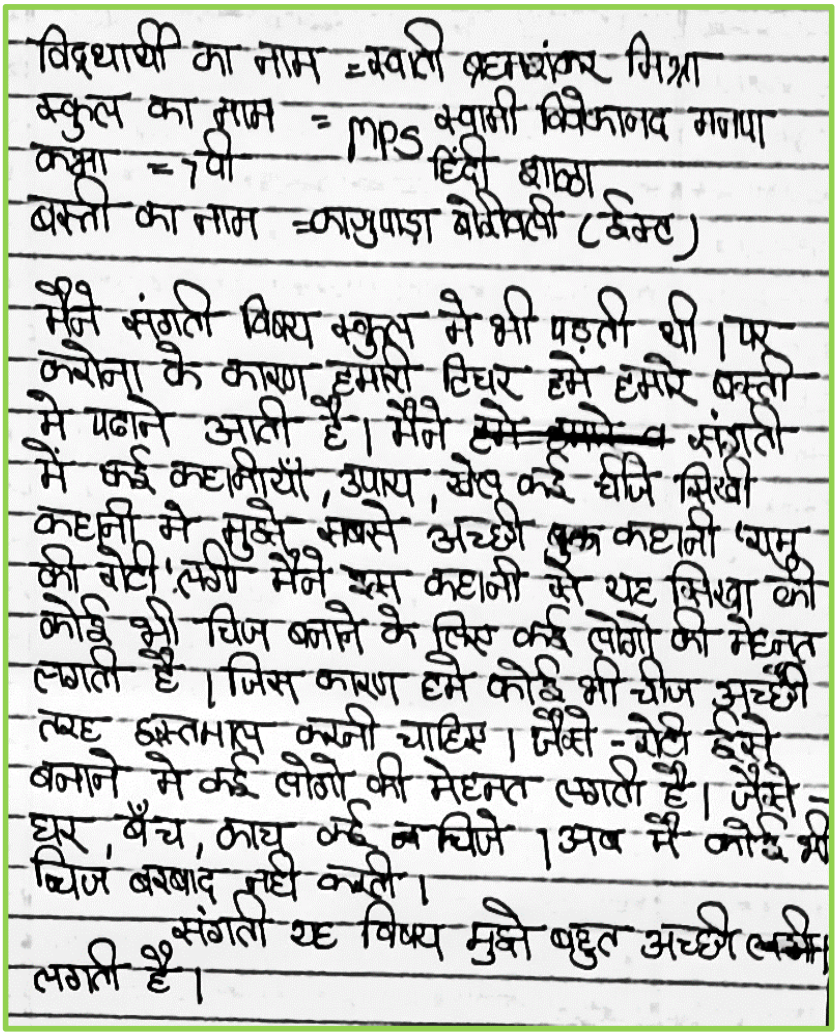
Name: Swati Bhramshankar Mishra
School Name: MPS Swami Vivekanand Manpa Hindi school Class: 7th
Basti: Kajubada Borivali East

I studied in ***Sangati*** school. Due to corona, teacher came to our Basti.

I listened to a lot of stories, learnt many values and played many games in ***Sangati***. Ramu's Roti is the best story in the book. I learned from this story that in order to make a single thing, efforts of a lot of people come together. So we should value everything we use. Like Roti is a simple thing but it takes a lot of people to produce it. Similarly, in order to make a house it takes a lot of perseverance.

I learned this lesson from ***Sangati*** and I never put anything to waste. It is a very insightful learning that I use in daily life.

Sangati is a part of my life and I love it.



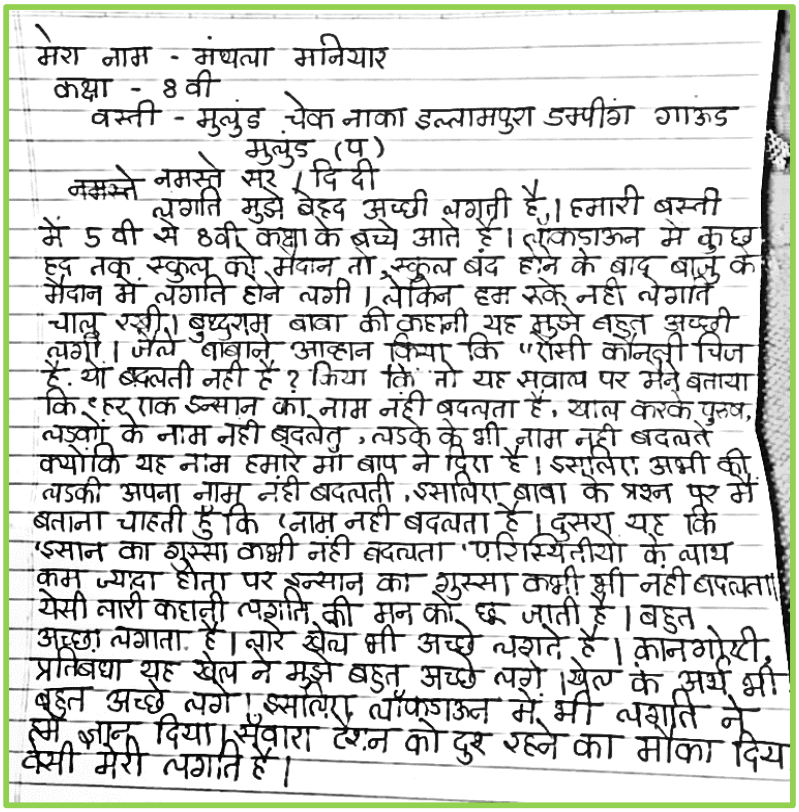
विद्यार्थी का नाम = स्वाती ब्रह्मशंकर मिश्रा
स्कुल का नाम = MPS स्वामी विवेकानंद मनपा हिंदी शाळा
कक्षा = 7वी
बस्ती का नाम = काजुपाडा बोरीवली (ईस्ट)

मैंने संगती विषय स्कुल मे भी पढ़ती थी। पर कोरोना के कारण हमारी टिचर हमे हमारे बस्ती मे पढाने आती है। मैंने ~~हमे हमारे~~ संगती में कई कहानीयाँ, उपाय, खेल कई चीजे सिखी कहानी मे मुझे सबसे अच्छी एक कहानी 'रामू की रोटी' लगी मैंने इस कहानी से यह सिखा की कोई भी चिज बनाने के लिए कई लोगो की मेहनत लगती है। जिस कारण हमे कोई भी चीज अच्छी तरह इस्तमाल करनी चाहिए। जैसे - रोटी ऐसे बनाने मे कई लोगो की मेहनत लगती है। जैसे - घर, बैंच, काच कई चिजे। अब मै कोई भी चिज बरबाद नही करती।

संगती यह विषय मुझे बहुत अच्छी लगी लगती है।

Name : Manthla Maniar
Class: 8th
Basti: Mulund Chek Naka West

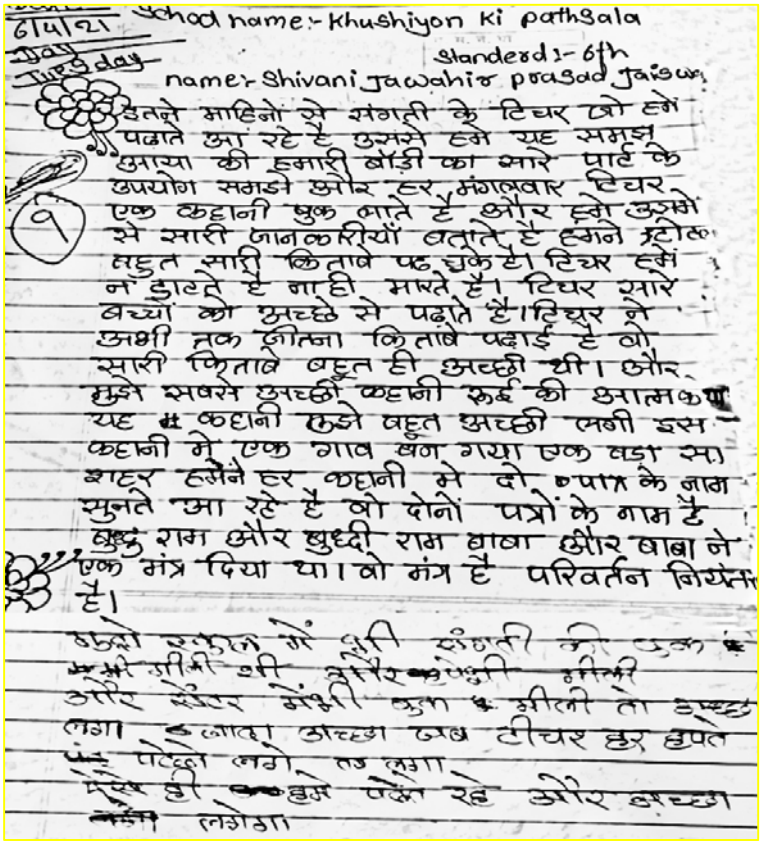
I really like ***Sangati***. During lockdown, ***Sangati*** sessions were held in open ground for Standards V to VIII. I enjoyed the story of Buddhuram Baba a lot. We discussed about changes through that story. O the question what never changes I replied that a person's names, especially a male's name never changes. It is given to him by his parents at his birth. Similarly, a person's anger also never changes. It only reduces or increases based on circumstances. All such stories touch my heart. I really enjoy playing all the games also. During the lockdown too, ***Sangati*** helped us in relieving our tension.


मेरा नाम - मंथला मनियार
कक्षा - 8 वी
वस्ती - मुलुंड चेक नाका इल्लामपुरा डम्पींग ग्राऊंड मुलुंड (प)
नमस्ते नमस्ते सर / दिदी
संगति मुझे बेहद अच्छी लगती है। हमारी बस्ती में 5 वी से 8वी कक्षा के बच्चे आते है। लॉकडाऊन से कुछ हद तक स्कुल को मैदान तो, स्कुल बंद होने के बाद फिर से मैदान में संगति होने लगी। लेकिन हम रुके नही संगति चालु रखी। बुध्दुराम बाबा की कहानी यह मुझे बहुत अच्छी लगी। जैसे बाबाने आव्हान किया कि "ऐसी कौनसी चिज है, जो बदलती नही है? किया कि" तो यह सवाल पर मैने बताया कि हर एक इन्सान का नाम नही बदलता है, खास करके पुरुष, लड़कों के नाम नही बदलते, लड़के के भी नाम नही बदलते क्योंकि यह नाम हमारे मा बाप ने दिया है। इसलिए अभी की लड़की अपना नाम नही बदलती, इसलिए बाबा के प्रश्न पर मैं बताना चाहती हुँ कि नाम नही बदलता है। दुसरा यह कि इन्सान का गुस्सा कभी नही बदलता "परिस्थितीयो के साथ कम ज्यादा होता पर इन्सान का गुस्सा कभी भी नही बदलता" ऐसी सारी कहानी संगति की मन को छू जाती है। बहुत अच्छा लगता है। सारे खेल भी अच्छे लगते है। कानगोष्टी, प्रतिबिंब यह खेल ने मुझे बहुत अच्छे लगे। खेल के अर्थ भी बहुत अच्छे लगे। इसलिए लॉकडाऊन में भी संगति ने हमे जान दिया। सहारा देने को दुर रहने का मौका दिया ऐसी मेरी संगति है।

School name : khushiyon ki pathshala
Student name : Shivani Jawahir Prasad Jaiswar
Standard : 6th

Through ***Sangati***, I learnt the use and function of all parts of my body. On Tuesdays, we have ***Sangati*** sessions where we read the ***Sangati*** booklet.

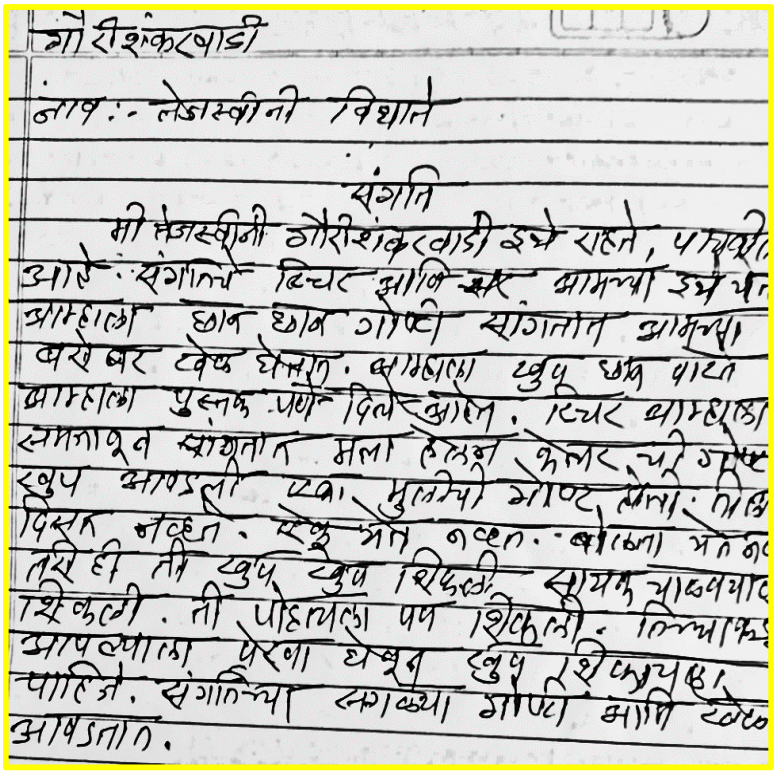
We have read many ***Sangati*** booklets and I enjoyed reading all of them. The story I liked the most is "A utobiography of a cottonseed". I loved this story. There is a village in this story. I have been hearing the names of two characters in each story. The names are Buddhuram and Buddhiram and Baba gives a mantra. The mantra teaches us that change is constant.


School name:- Khushiyon ki pathsala
Standerd:- 6th
name:- Shivani Jawahir prasad Jaiswar
इतने महिनो से संगती के टिचर जो हमें पढाते आ रहे है उनसे हमे यह समझ आया की हमारी बॉडी का सारे पार्ट के उपयोग समझे और हर मंगलवार टिचर एक कहानी सुना जाते है और हमे उसमे से सारी जानकारीयाँ बताते है हमने स्टोरी बहुत सारी किताबे पढ चुके है। टिचर हमें न डाटते है नाही मारते है। टिचर सारे बच्चों को अच्छे से पढ़ाते है। टिचर ने अभी तक जीतना किताबे पढाई है वो सारी किताबे बहुत ही अच्छी थी। और मुझे सबसे अच्छी कहानी रुई की आत्मकथा यह कहानी मुझे बहुत अच्छी लगी इस कहानी मे एक गाव बन गया एक बड़ा सा शहर हमने हर कहानी मे दो पात्र के नाम सुनते आ रहे है वो दोनो पात्रो के नाम है बुद्धु राम और बुध्दी राम बाबा और बाबा ने एक मंत्र दिया था। वो मंत्र है परिवर्तन नियम है।
अच्छा लगता अच्छा लगा टीचर हर हफ्ते आएंगे।

Student name: Tejaswini Vidhate
Locality: Gaurishankar wadi, Kurla W

I am a 5th grade student staying at Gauri shankar wadi. ***Sangati*** teacher and sir visit our area to conduct ***Sangati*** sessions We feel so nice because they tell us great stories and play interesting games with us. We also have been given workbooks by them, and teacher explains things to us about how to use them.

I loved the story about a girl named Helen Keller – she could not see, or hear or talk but she studied a lot. She learnt to ride a cycle, to swim. We must take inspiration from her and study a lot. I love all the stories and games in ***Sangati***.


गौरीशंकरवाडी

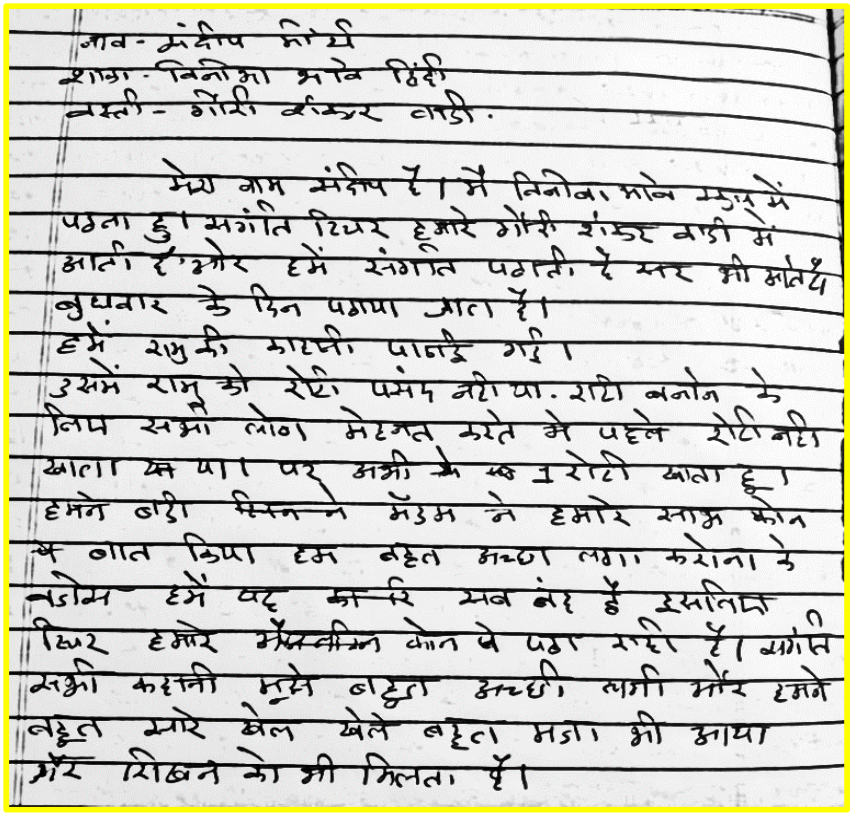
नाव :- तेजस्विनी विधाते

संगति

मी तेजस्विनी गौरीशंकरवाडी इथे राहते, पाचवी
आहे. संगतीचे टिचर आणि सर आमच्या इथे
आम्हाला छान छान गोष्टी सांगतात आम्हाला
वरेवर खेळ घेतात. आम्हाला खुप छान वाटत
आम्हाला पुस्तक पण देतात. टिचर आम्हाला
समजावून सांगतात मला हेलन केलर ची गोष्ट
खुप आवडली ती. मुलीची गोष्ट होती. ती
दिसत नव्हत. ऐकू येत नव्हत. बोलता येत नव
तरी ही ती खुप खुप शिकली. सायकल चालवायला
शिकली. ती पोहायला पण शिकली. लिखाण
आपल्याला प्रेरणा देतात खुप शिकायचं.
पाहिजे. संगतीच्या सगळ्या गोष्टी आणि खेळ
आवडतात.

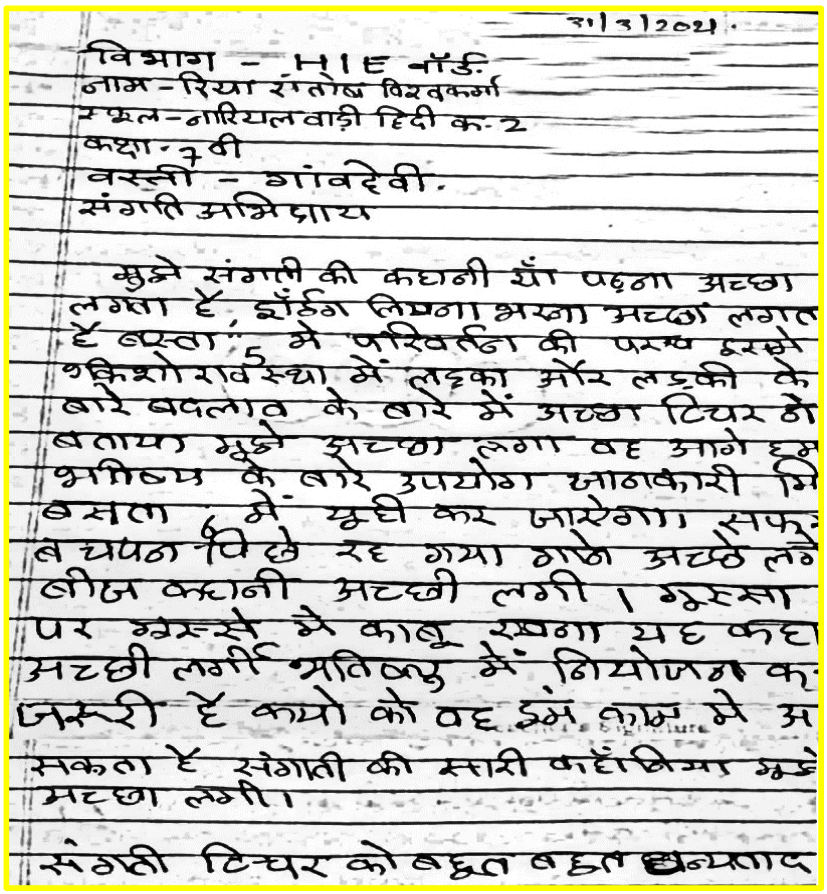
Name : Sandeep Maurya
School Name: Vinoba Bhave Hindi school
Basti: Gauri Shankar Wadi

My name is Sandeep. I study in Vinoba Bhave school. We read Ramu's story during our ***Sangati*** sessions. In that story, Ramu didn't like rotis. I also did not eat rotis earlier but now I eat 1 roti. Due to corona, when schools were shut, we had ***Sangati*** classes over phone at times. I really like ***Sangati*** classes. I like all its stories and the various games that we get to play. I have learnt a lot through ***Sangati***.

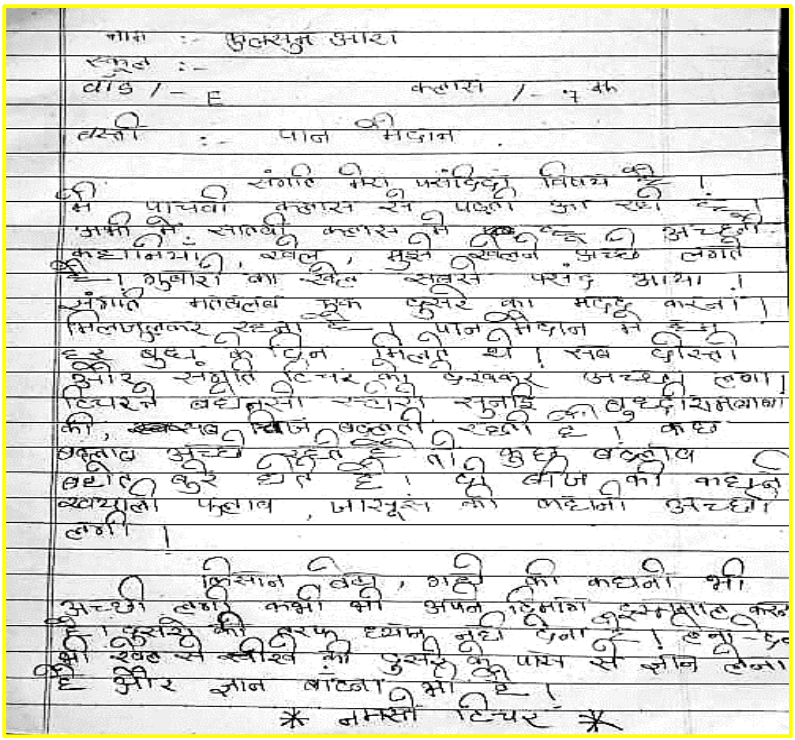

नाव - संदीप मौर्य
शाळा - विनोबा भावे हिंदी
वस्ती - गौरी शंकर वाडी.

मेरा नाम संदीप है। मैं विनोबा भावे स्कूल में
पढता हु। संगति टिचर हमारे गौरी शंकर वाडी में
आती है और हमें संगति पढाती है सर भी आते है
बुधवार के दिन पढाया जाता है।
हमें रामु की कहानी पानी गई।
इसमें रामु को रोटी पसंद नही था. रोटी बनाने के
लिये सभी लोग मेहनत करते थे पहले रोटी नही
खाता था पर अभी मै एक रोटी खाता हु।
हमने बड़ी मिस ने मेरे साथ फोन
पे बात किया हम बहुत अच्छा लगा। कोरोना के
वजह हमें घर बहुत सारे बंद है इसलिये
टिचर हमारे मोबाईल फोन से पढा रही है। संगति
सभी कहानी मुझे बहुत अच्छी लगी और हमने
बहुत सारे खेल खेले बहुत मजा भी आया
और सीखने को भी मिलता है।

Name : Riya Santosh Vishwakarma
School Name: Nariyalwadi Hindi No. 2 school Class : 7th
Basti: Gaondevi



Name : Kulsum Ara
Class : 7th
Basti: Paan Maidan



Sangati is my favourite subject. I have been attending ***Sangati*** sessions since I was in Standard V. Now I am in Standard VII. I like reading all the stories and playing games. I liked playing the balloon game the most. ***Sangati*** means to stay together and help each other. We used to meet in the nearby ground every Wednesday for ***Sangati*** classes. I really enjoyed meeting my friends and teacher. We read various stories like that of Budhiram, the story of two seeds, 'Follow Your Dreams ...', 'Look, Don't Stare !' etc. I understood that change is constant but some changes is good while some is bad. I also understood that we should always use our mind and not worry about others' opinion so much. Through a game, I also learnt the importance of sharing. We should be ready to seek knowledge from wherever we can get it and should also share our knowledge with others.

Name : Neha Yadav
School Name : G.M.S.S
Class : 7th

Through ***Sangati***, I learnt that everything changes with time. Human beings also change, for instance, a child initially stays with parents, then goes to school and learns new things and then grows up to teach those things to others, or becomes a doctor etc. So much change occurs in this child. Similarly, everything in this world keeps on changing. Earlier we used to travel by bullock cart, horse cart etc. Now we can travel very fast through bus, train and even airplane. Earlier we used to go to school to study. Now due to coronavirus, we have to study through our mobiles. Even though ***Sangati*** teacher comes to our basti to conduct sessions, still how big a change this is.

